Date
12/5/2020

BABLY KUMARI
Dep of Education
A.N.D. collage
Shahpur Patory

Paper-01 (B.Ed-first year)

LECT-22

Gender Indetities and Socialization Practices in: Family, Schools, other formal and informal organization; schooling of girls.

प्रत्येक प्राणी जन्म के बाद पहला पाठ अपनी माँ के गोद में पढ़ता है उसके बाद पारिवारिक वातावरण तथा आस पास के लोगों के सम्पर्क में आता है, कुछ न कुछ सीखता रहता है। इस सीखने व अनुभव का परिणाम यह होता है कि वह अपना लिंगीय पहचान के प्रति सतर्क हो जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि उसके व्यवहार में बालक या बालिका का पहचान परीलक्षित होने लगता है। वह धीरे-धीरे विभिन्न प्रकार से अपने भौतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक वातावरण से अपना सामंजस्य स्थापित करता है।

औपचारिक — शिक्षा वह साधन है जो बालक को स्वप्रयत्न शिक्षा देने का कार्य करते है। इसमे शिक्षा देने की योजना, समय, स्थान, अध्यापक, पाठ्यक्रम पूर्व निर्धारित होती है। यह संस्थान अपने द्वारा निर्धारित नियमावली का अनुपालन करती है।

जॉन ड्यूवी के अनुसार - औपचारिक शिक्षा के बिना समाज के जटील साधनों और उपलब्धियों को हस्तान्तरित करना सम्भव नहीं है। यह एक ऐसे अनुभव की प्राप्ति का द्वार खुलती है जिसको बालक अनौपचारिक के द्वारा प्राप्त नहीं कर ~~सकतौं~~ सकता।

अनौपचारिक — अनौपचारिक शिक्षा जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है। लिखना-पढ़ना या अक्षर ज्ञान प्राप्त कर लेना ही शिक्षा नहीं है। शिक्षा वास्तव मे वह है जो बालक अपने जीवन के अनुभवों से सीखता है। बालक की शिक्षा उसके चारों तरफ मौजूद है और वह प्रत्येक ~~~~ क्षण उसे ग्रहण करता रहता है।